Press Release

TATA POWER-DDL

मंगलवार, 07 जुलाई, 2026

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने अबाधित पावर सप्लाई और आम जन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मॉनसून की तैयारियों को दी मजबूती

मॉनसून की दस्तक सुनाई दे चुकी है, और इसे देखते हुए टाटा पावर-डीडीएल ने जनता के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद बिजली सप्लाई तथा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तुरंत रिस्पॉन्स सुनिश्चित करने के लिए अपनी मॉनसून रणनीति तैयार कर ली है। मॉनसून-पूर्व सुरक्षा प्रयासों के अनुरूप, डिस्कॉम ने अपने पूरे नेटवर्क की मेंटीनेंस पर काफी जोर दिया है ताकि उपभोक्ताओं के लिए बारिश का मौसम सुरक्षित रहे और बिजली संबंधी घटनाओं का रिस्क भी कम से कम हो।

कंपनी की मॉनसून सुरक्षा संबंधी तैयारियों के बारे में, **टाटा पावर-डीडीएल के प्रवक्ता ने कहा**, *"प्री-मॉनसून वैदर अब पहले की तुलना में काफी अनिश्चित होने लगा है और निर्धारित समय से पहले पहुंचने की संभावना के चलते, हमने नॉर्थ एवं नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली में अपने पावर इंफ्रास्ट्रक्चर का मेंटीनेंस काफी तेज कर दिया है ताकि बिजली की बेरोकटोक सप्लाई सुनिश्चित की जा सके और मौसम संबंधी चुनौतियों से निपटने की तैयारियां पुख्ता बनें। हम अपने सभी उपभोक्ताओं से भी अपनील करते हैं कि बारिश के आगामी सीज़न के दौरान सतर्कता बरतें और बिजली से जुड़े सुरक्षा-निर्देशों का पालन करें। हम सभी मिलकर, सुरक्षित मॉनसून सीज़न सुनिश्चित कर सकते हैं।"*

तैयारियों की प्रमुख झलकियां -

- **उपकरणों की प्री-मॉनसून जांच और रखरखाव** - इसमें बिजली के खंभों, वितरण ट्रांसफॉर्मरों और तारों आदि की जांच की जाती है ताकि बारिश के दिनों में नेटवर्क सुचारू तरीके से काम करता रहे।
- **करंट लीकेज टेस्टिंग अभियान**, के तहत् बिजली के खंभों, पीडब्ल्यूडी/एमसीडी खंभों, एटीएम तथा एमसीडी/डीडीए पार्कों में स्ट्रीटलाइटों के खंभों की लीकेज टेस्टिंग का

काम पूरा कर लिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत, नेटवर्क खंभों, स्ट्रीटलाइट खंभों, सबस्टेशन फेन्सिंग, और एमसीडी/पीडब्ल्यूडी पार्कों की ग्रिल फेन्सिंग समेत स्कूलों, अस्पतलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर गेटों एवं अन्य इंस्टॉलेशंस की जांच की जाती है।

- **इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों की तैनाती,** जो कि 24×7 ऑपरेशंस के लिए की जाती है, और इसमें बाढ़-संभावित तथा अन्य अधिक जोखिम वाले इलाकों पर खासतौर से ध्यान दिया जाता है।
- अस्पतालों, स्कूलों, दिल्ली जल बोर्ड संयंत्रों और बड़े दफ्तरों के परिसरों समेत **5300 से अधिक इंस्टॉलेशंस** का विशेष **पब्लिक इंस्टॉलेशन सेफ्टी ऑडिट (पीआईएसए)** अभियान पूरा किया गया ताकि महत्वपूर्ण पब्लिक इंस्टॉलेशंस से बिजली करंट जैसे खतरों को दूर किया जा सके।
- जिन सबस्टेशनों के बाढ़ के दौरान प्रभावित होने का खतरा रहता है उनकी ऊंचाई बढ़ायी गई है ताकि जलभराव जैसी घटनाओं के दौरान सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रखी जा सके।
- **पेड़ों-झाड़ियों की छंटाई और प्रबंधन** किया जाता है ताकि बिजली के खंभों आदि पर पेड़ों के गिरने से बचाव हो सके और सप्लाई को बाधित होने से बचाया जा सके।

मॉनसून सीज़न के दौरान, भारी बारिश के कारण कई चुनौतियां पैदा हो जाती हैं जिसकी वजह से पानी का भराव, तेज हवाएं, बिजली गिरना, जैसी घटनाएं पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिकूल असर डालती है। इनके मद्देनज़र, टाटा पावर-डीडीएल ने बिजली से सुरक्षा को लेकर उपभोक्ता जागरूकता अभियान शुरू किए हैं ताकि जोखिम कम किए जा सकें और बहुमूल्य जिंदगियों की सुरक्षा की जा सके। जहां कहीं भी बिजली सुरक्षा संबंधी उल्लंघन पाए गए हैं, वहां नोटिस दिए/चिपकाए गए हैं, और भीड़भाड़ वाले इलाकों में खतरनाक इंस्टॉलेशंस की बिजली सप्लाई काट दी गई है ताकि करंट लगने या बिजली से जलने की घटनाओं से बचाव हो सके।

टाटा पावर-डीडीएल की सभी फील्ड टीमों को **मॉनसून की स्थितियों के मद्देनज़र बिजली सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल्स** के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) का इस्तेमाल करने और असुरक्षित व्यवहारों/प्रणालियों के मामले में जीरो-टॉलरेंस की नीति पर जोर देने के स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं।

कंपनी प्रवक्ता ने कहा, *"इस प्रकार की परिस्थितियों में सार्वजिनक सहयोग काफी महत्वपूर्ण होता है। हम नागरिकों से अपील करते हैं कि वे बिजली के खंभों, फीडर खंभों और बिजली के पैनलों आदि से दूर रहें। किसी भी प्रकार के बिजली के खतरों या असुरक्षित हालातों जैसे खुली तारों, ओपर बस-बार आदि की सूचना तत्काल हमारी हेल्पलाइन पर दें ताकि इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की जा सके।"*

किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, टाटा पावर-डीडीएल ने अपने कम्युनिकेशन मीडियम में विस्तार किया है ताकि उपभोक्ता ऐसी स्थितियों या अन्य किसी खतरे की जानकारी निम्न माध्यमों से दे सकें:

1. **टोल फ्री नंबर:** 19124
2. **मोबाइल ऐप:** TPDDL Connect
3. **वेबसाइट:** www.tatapower-ddl.com

4. **व्हट्सऐप नंबर: 7303482071**

उपभोक्ता कंपनी की वर्चुअल असिस्टेंट, चैटबॉट रोशनी के साथ भी बातचीत कर सकते हैं, जो कि फेसबुक, एक्स (डायरेक्ट मैसेज), वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर उपलब्ध है। उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए, टाटा पावर-डीडीएल ने मानसून सीज़न के दौरान निम्न बातों का पालन करने की सलाह दी हैः

- बारिश या खराब मौसम के दौरान, बिजली संस्थापनाओं जैसे खंभों, ट्रांसफॉर्मरों और सबस्टेशनों आदि से दूर रहें।
- पावर लाइन गिरने या लटकने की स्थिति में, इसकी सूचना तत्काल **टाटा पावर-डीडीएल की हेल्पलाइन 19124** पर दें।
- बच्चों को बिजली संस्थापनाओं के आसपास मत खेलने दें, चाहे ये इंस्टॉलेशंस बैरीकेड या फेन्सिंग में रखे गए हों।
- नियमित रूप से बिजली के उपकरणों की जांच करें ताकि उनसे करंट लीकेज की आशंका का पता चल सके, और यदि ऐसा है तो तुरंत क्वालीफाइड इलेक्ट्रिशियन से संपर्क करें।
- पानी से मीटर बॉक्स की सुरक्षा सुनिश्चित करें।
- बिजली के झटकों और बिजली फॉल्ट्स आदि से बचाव के लिए RCCBs/ELCBs/RCBOs जैसे सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करें।
- गीले हाथों से बिजली के उपकरणों, स्विचों, या सॉकेट्स आदि छूने से बचें।
- सॉकेट या तारों आदि को खुला न छोड़ें।
- मीटर कक्षों या स्ट्रीट लाइट के खंभों से चिंगारी दिखायी देने पर, सहायता के लिए उपभोक्ता टाटा पावर-डीडीएल की हेल्पलाइन नंबर 19124 से संपर्क कर सकते हैं।
- सेफ्टी ब्रेकर और सर्ज प्रोटेक्टर जैसे सेफ्टी डिवाइसों का प्रयोग कर अपने घरों को बिजली के खतरों से बचाएं।
- बिजली से आग लगने की स्थिति में, उसे बुझाने के लिए पानी का उपयोग न करें। मेन पावर सप्लाई बंद करें, यदि ऐसा करना सुरक्षित हो तो, और CO_2 या ड्राइ केमिकल अग्निशमन का प्रयोग करें।
- घर में हमेशा 'टेस्टर' रखें। यदि कोई स्विच गीला है, तो उसे न छूएं। पहले "टेस्टर" की सहायता से यह देखें कि कोई बिजली लीकेज तो नहीं है। जरूरत हो तो सर्टिफाइड इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर जांच करवाएं।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर के बीच संयुक्त उद्यम है। कंपनी उत्तरी दिल्ली में लगभग 90 लाख की आबादी को बिजली आपूर्ति करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसने उपभोक्ता-केंद्रित व्यवहारों के लिए अपनी साख बनायी है। निजीकरण के बाद, टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। वर्तमान में, एटीएंडसी नुकसान 5.42% है, और जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान स्तर की तुलना में इसमें अप्रत्याशित रूप से कमी आई है। टाटा पावर-डीडीएल के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

John Edwin (9910082270)

Slough PR:

Abhishek Anand (9711061540)